गुजरात युनिवर्सिटी

यू.जी.सी. मॉडल पर आधारित

हिन्दी विषय का 2005-2006 की परीक्षाओं के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

एम.फ़िल. हिन्दी पाठ्यक्रम

(2005-2006 की परीक्षाओं के लिए)

प्रश्नपत्र-1 संशोधन पद्धति : (Research Methodology)

1. **शोध की परिभाषा एवं स्वरूप :**
   शोध की परिभाषा, साहित्यिक शोध की विशेषताएँ और प्रकृति, अनुसंधान और आलोचना, शोध और सत्यान्वेषण, विषयगत और विषयोगत शोध, अनुसंधित्सु और निर्देशक की क्षमता, शोध का महत्त्व।
2. **शोध के प्रकार :**
   (क) व्याख्यात्मक शोध (ख) भाषातात्विक शोध
   (ग) तुलनात्मक शोध-महत्त्व, प्रेरणा, प्रकार, कठिनाइयाँ
   (घ) क्षेत्रीय शोध (ङ) ऐतिहासिक शोध का स्वरूप
3. **पाठ्यानुसंधान की प्रक्रिया, पांडुलिपियों का संपादन-पाठ समीक्षा**
4. **शोध प्रक्रिया :**
   (क) विषय का चयन
   (ख) शोध योजना
   (ग) शोध कार्य की पद्धति
   (घ) सामग्री संकलन-सांदर्भिक सतर्कता, अध्यायक्रम की व्याख्या, तथ्य संचयन के साधन, साक्षात्कार, तालिका, प्रश्नावली, सर्वेक्षण आदि।
   (ङ) संचित सामग्री की प्रामाणिकता की परीक्षा
   (च) सामग्री वर्गीकरण
   (छ) शोध प्रबंध का लेखन
5. **आंतर्विषयक शोध :** (Interdisciplinary approach).
   समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, भाषावैज्ञानिक अध्ययन

कुल अंक 100

प्रश्नपत्र-2 हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पाठ्यविषय

* विचारधारा और साहित्य।
* मध्ययुगीन बोध का स्वरूप।
* विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन।
* मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य-वैषम्य।
* आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति
* राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता।
* पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक जागरण।
* हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद-आध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद
* परम्परा और आधुनिकता।
* राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन।

* भारतीय सांविधानिक व्यवस्था - लोकतन्त्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित-चेतना, स्त्री-विमर्श आंचलिकता और महानगर बोध।
* साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन - साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा वैज्ञानिक विवेचन, भाषा प्रौद्योगिकी, साहित्य का वैज्ञानिक बोध।

कुल अंक 100

प्रश्नपत्र-3 शोध आलेख

इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित वर्गों से संबंधित विषयों पर गहन अध्ययन किया जाएगा। इसका अध्यापन विभागीय विषय विशेषज्ञ द्वारा कक्षाध्यापन अथवा संगोष्ठी के रूप में किया जाना चाहिए। विषय का आबंटन विभागीय व्यवस्था के अन्तर्गत किया जाएगा।

* मध्यकालीन हिन्दी साहित्य।
* आधुनिक हिन्दी साहित्य।
* भाषाविज्ञान एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी।
* काव्यशास्त्र एवं समीक्षा सिद्धांत।

↔ यह आवश्यक है कि शोध विषय का चयन उपयोगिता एवं मौलिकता के आधार पर किया जाए और विद्यार्थी के मार्गदर्शन हेतु विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों का निर्देशन सुलभ कराया जाए ।

विद्यार्थी वर्ष में 5 शोध आलेख तैयार करें और विभाग के निर्देशानुसार उन्हें मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करें। 100 अंक में से बाह्य परीक्षक इन 5 शोध आलेखों पर अंक प्रदान करेंगा।

कुल अंक 100

प्रश्नपत्र-4 : लघु शोध प्रबन्ध

विद्यार्थी को लघु शोध प्रबन्ध कंप्यूटर पर सौ पृष्ठ अथवा टाइपराइटर पर एक सौ पचास पृष्ठों में टंकित करवाकर तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा। जिसका मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक एवं एक मार्गदर्शक द्वारा किया जाएगा। दोनों द्वारा दिए गए अंकों के योग से औसत निकाल कर परिणाम बनाया जाएगा।

कुल अंक 100